

पवत्रि भूमिको जोडने वाली हवाई सेवा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में तीन वर्ष से अधिक के अंतराल के बाद पथौरागढ़ के नैनी-सैनी हवाई अड्डे से उड़ान संचालन शुरू हुआ।

मुख्य बढि:

- उड़ान संचालन को फरि से शुरू करने के बाद, जसि वर्ष 2020 की शुरुआत में नलिंबति कर दया गया था, वमिानन कंपनी फ्लाईबगि सप्ताह में तीन बार सोमवार, मंगलवार व शुक्रवार को देहरादून और पथौरागढ़ के बीच 19 सीटों वाला वमिान संचालति करेगी।
- हवाई अड्डे से सेवाओं की बहाली, जसि जलद ही पंतनगर और फरि गाजयाबाद के हडिन हवाई अड्डे तक बढाया जाएगा, रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सीमावर्ती ज़िले के लयि महत्त्वपूर्ण होगी।
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के अनुसार, देहरादून तथा पथौरागढ़ के बीच हवाई कनेक्टविटी सेमानसखंड क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को और बढावा मल्लेगा।
- आदि कैलाश शखिर और जागेश्वर धाम के दर्शन के लयि प्रधानमंत्री की जोलगिकोंग यात्रा से पर्यटकों में रुचि जागृत हुई, जनिहोंने बडी संख्या में अपेक्षाकृत कम ज्ञात धार्मिक स्थलों की यात्रा करना शुरू कर दया है।

आदि कैलाश शखिर



- आदि कैलाश, जसि शवि कैलाश, छोटा कैलाश, बाबा कैलाश या जोंगलिकोंग पीक के नाम से भी जाना जाता है, उत्तराखंड के पथौरागढ़ ज़िले में [हमिलय परवत श्रेणी](#) में स्थति एक परवत है।

जागेश्वर धाम



- यह उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा ज़िले में स्थित एक हिंदू तीर्थस्थल है। यह स्थल भारतीय कानूनों के तहत संरक्षित है और [भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण](#) द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/flight-operations-linking-sacred-lands>

